बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)

{Commerce}

SET : 04

By:-

Dr. Sakal Deo Singh
Principal Incharge
+2 High School, Jadopur
Bhojpur

&

Dr. Jay Prakash Narayan
SKM +2 High school
Mokama, Patna

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड़–1 (Section-1)

निर्देश :–यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।
(Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions in OMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

1. निम्न में से कौन–सा व्यावसायिक अवसर की पहचान को प्रभावित करने वाला घटक हैं।
   (A) आन्तरिक माँग की मात्रा (B) निर्मित अवसर
   (C) पर्यावरण मे विद्यमान अवसर (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

   Which of the following factors affecting identification of business opportunities. –
   (A) Volume of internal demand (B) Created opportunity
   (C) Exiting opportunities in the environment (D) None of these

2. प्रेरणाएँ सम्बधित नही होती हैं।–
   (A) छूट (B) कर से मुक्ति
   (C) बीज पूँजी का प्रावधान (D) एकमुश्त भुगतान

   Incentives are not concord with –
   (A) Rebate (B) Exemption fromtex
   (C) Provision of seed capital (D) Lump sum payment

3. व्यवसाय का नियामक ढाँचा सम्बंधित होता हैं।–

(A) व्यवस्थापन (B) व्यवसाय की दिशा
(C) व्यवसाय की मात्रा (D) इनमें से कोई नहीं

Regulatory framework of business is concerned with. –

(A) Regulation (B) Direction of business
(C) Volume of business (D) None of these

4. निम्न में से कौन सा घटक बाजार मूल्यांकन पर प्रभाव ड़ालता हैं–

(A) सूक्ष्म वातावरण (B) उत्पाद की लागत
(C) माँग (D) इनमें से कोई नहीं

Which of the following factors affect market assessment.-

(A) Micro Environment (B) Production cost
(C) Demand (D) None of these

5. निम्न में से किसका उत्पाद या सेवा का चुनाव करते समय ध्यान रखना जरूरी नहीं हैं।–

(A) बाजार का निर्धारण (B) व्यावहारिकता
(C) प्रतियोगिता (D) उत्पादन नियोजन

Which of the following is not to be considered while selecting a product or Service. –

(A) Market Assessment (B) Practicability
(C) Competition (D) Product planning

6. बाजार में पूर्णता की स्थिति को कौन सृजित करता हैं जो अन्ततः बिक्री एवं लाभ में वृद्धि करता हैं।–

(A) प्रवर्तन (B) आविष्कार
(C) उपर्युक्त दानों (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

What creates imperfection in the market which ultimately increases the volume

(A) Promotion (B) Innovation
(C) Both of the above (D) None of these

7. नियोजन होता हैं।–

(A) भूतकाल के लिए (B) भविष्य के लिए
(C) वर्तमान के लिए (D) सभी के लिए

Planning is for:-

(A) Past (B) Future
(C) Present (D) All

8. कारक प्रबलता प्राच्य परियोजनाएँ हैं।–

(A) पूँजी प्रबल परियोजनाएँ (B) श्रम आधारित परियोजनाएँ
(C) तकनीकी प्राच्य परियोजनाएँ (D) A एवं B दोनों

Factors intensity oriented project are –
(A) Capital oriented projects (B) Labour Intensive projects
(C) Technology oriented projects (D) Both "A" and "B"

9. प्रत्येक नया व्यावसायिक अवसर होता हैं।–
(A) आसान (B) कठिन
(C) अद्वितीय (D) इनमें से कोई नहीं

Every new business opportunity is :-
(A) Easy (B) Difficult
(C) Unique (D) None of these

10.परियोजना के तैयार करने पर व्यय किया गया धन हैं।–
(A) विनियोजन (B) व्यय
(C) अपव्यय (D) इनमें से कोई नहीं

Money spent on the preparation of project is :-
(A) Investment (B) Expenditure
(C) Wastage (D) None of these

11.गर्भावधि सम्बधित हैं।–
(A) विचार सृजन अवधी से (B) उदभवन अवधि से
(C) कियान्वयन अवधि से (D) वाणिज्य अवधि से

Generation Period is concerned with :-
(A) Idea creation period (B) Incubation period
(C) Implementation period (D) Commercialisation period

12.निम्नलिखित में से कौन सा संचालन व्यय नहीं हैं।–
(A) विज्ञापन कार्य (B) प्रारम्भिक व्यय
(C) मजदूरी (D) किराया

Which of the following is not an operating Expenses. –
(A) Advertising Expense (B) preliminary Exp. Written off
(C) Wages (D) Rent

13.जोखिम पूँजी शिलाधार, निम्न द्वारा स्थापित किया गया –
(A) आई एफ सी आई (B) यू टी आई
(C) आई डी बी आई (D) आई सी आई सी आई

Risk capital foundation was established by –

(A) IFCI (B) UTI

(C) IDBI (D) ICICI

14.उद्यमी पूँजी उपलब्ध हैं।–

(A) अत्यन्त जोखिम ईकाईयों हेंतु (B) तकनीकी ईकाईयों हुतु

(C) संस्थागत ईकाईयो हेंतु (D) इन सभी के लिए

Venture capitals provided for –

(A) Very risk unit (B) Technical unit

(C) Organisation units (D) All of these

15.पूँजी गहन प्रौाधोगिकी की वकालत की जाती हैं, क्योंकि–

(A) शीघ्र आर्थिक स्थिति (B) सामाजिक प्रभाव

(C) रोजगार अवसरों में वृद्धि (D) उपर्युक्त सभी

Capital-intensive technique is favoured due to –

(A) Repaid economic growth (B) Social influence

(C) Incensement in employment opportunities (D) All of the above

16.प्रबन्ध कला हैं।–

(A) स्वंय काम करने की (B) दूसरो से काम लेने की

(C) स्वंय काम करने एवं दूसरो से काम लेने दोनों की (D) इनमें से कोई नहीं

Management is an art of –

(A) Doing work himself

(B) Taking work others

(C) Both for doing himself work and taking work from others

(D) None of these

17.''प्रबन्ध व्यक्तियों का निवास हैं न कि वस्तुओं का निर्देशन'' यह कथन हैं।–

(A) लॉरेन्स ए एप्पले का (B) आर सी डेविस का

(C) कीथ एवं गुबेलिन (D) इनमें से कोई नहीं

Management is the development of men and not the direction of things statement is of –

(A) Lawrence A Appley (B) R.C Davis

(C) Keith and Gublelline (D) None of these

18.भारत में प्रबन्ध है–

(A) आवश्यक (B) अनावश्यक

(C) अनिर्वाय (D) इनमें से कोई नहीं

Management in India is –

(A) Necessary (B) Unnecessary

(C) Compulsory (D) None of these

19.विपणन व्यय भार हैं।–

(A) उद्योग पर (B) व्यवसासियों पर

(C) उपभोक्ताओं पर (D) इनमें से सभी पर

Marketing expenditure is a burden –

(A) On industry (B) On businessmen

(C) On Consumers (D) All of these

20.विपणन अवधारणा का महत्व हैं–

(A) समाज के लिए (B) उपभोक्ता के लिए

(C) उत्पादक के लिए (D) इन तीनो के लिए

Importance of marketing concept is for –

(A) Society (B) Consumer

(C) Producers (D) All of these

21.उत्पाद अन्तलेय (मिश्रण) को प्रभावित करने वाले घटक है–

(A) विपणन (B) उत्पाद

(C) वित्तीय (D) ये सभी

The factors affecting product mix are –

(A) Marketing (B) Production

(C) Financial (D) All of these

22.विपणन प्रबन्ध अवधारणा का जन्म कहाँ हुआ–

(A) जापान (B) अमेरिका

(C) भारत (D) इनमें से कोई नहीं

Where is the birth place of marketing management –

(A) Japan (B) America

(C) India (D) None of these

23.लाभांश है–

(A) शुद्ध लाभ (B) लाभ का विनियोजन

(C) संचय कोष (D) अवतरित लाभ का अंश

Dividend is –

(A) Net profit (B) Appropriation profit

(C) Reserve Fund (D) Part of undistributed profit

24.जन निक्षेप साधन हैं–

(A) अल्पकालीन वित्त का (B) दीर्घकालीन वित्त का
(C) मध्याकालीन वित्त का (D) सामाजिक निवेश का

Public deposit are the source of –
(A) Short finance (B) Long finance
(C) Medium term finance (D) Social investment

25.चल लागत का श्रेष्ठतम उदाहरण है –
(A) पूँजी पर ब्याज (B) सामग्री लागत
(C) धन कर (D) किराया

The best example of variable cost is -
(A) Interest of capital (B) Material cost
(C) Wealth Tax (D) Rent

26.परियोजना मूलयांकन के पहलू है–
(A) तकनीकी मूल्यांकन (B) वित्तीय मूलयांकन
(C) प्रबन्धकीय मूलयांकन (D) ये सभी

Aspects of project evaluation is -
(A) Technical evaluation (B) Financial evaluation
(C) Managerial evaluation (D) All of these

27.अमेरिका की सम्पननता का मूल कारण हैं–
(A) संसाधन (B) कुशल प्रबन्ध
(C) मानव शक्ति (D) इनमे से कोई नहीं

The primary cause of America prosperity is-
(A) Resources (B) Efficient management
(C) Man power (D) None of these

28.जोखिम पूँजी की स्थापना कब की गई–
(A) 1975 (B) 1992
(C) 1947 (D) 1957

In which the year risk capital foundation was established-
(A) 1975 (B) 1992
(C) 1947 (D) 1957

Multiple Choice Answer 1 To 28.

(1) A	(8) D	(15) D	(22) B
(2) D	(9) C	(16) C	(23) B
(3) A	(10) A	(17) A	(24) C
(4) A	(11) C	(18) A	(25) B
(5) D	(12) B	(19) C	(26) D
(6) B	(13) A	(20) D	(27) B
(7) B	(14) D	(21) A	(28) A

****

खण्ड–II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहुत सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answers to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

1. अवसर किसे कहते है?

   What is an opportunity?

   अवसर का अर्थ वर्तमान परिस्थितियो में संयोग से लाभ उठाना है। कुछ व्यक्ति इसे पहचानकर इससे लाभ उठा लेते है जबकि अन्य लाभ नहीं उठा पाते। अवसर में स्थायित्व नही होता। यह कुछ दिनो के लिए आता है,फिर चला जाता है। उद्यमी अथवा साहसी अवसर में स्थायित्व नही होता। यह कुछ दिनो के लिए आता है फिर चला जाता है। उद्यमी अवसर की संभावनाओ पर विचार करके नये उद्योग अथवा व्यापार को मूर्त रूप देते है।

   An opportunity means to take advantage in the present circumstances co-incidently. Some people identity it and take benefit where as other could not take benefit of it. The Opportunity does not has stability, it comes for some days only and then it goes away. The entrepreneur start, industry or business after thinking about the possibilities.

2. उपक्रम की स्थापना में रणनीति का क्या आशय है।

   What does the strategies mean in setting up of an enterprise?

   उत्तरः– रणनीति की महता को स्वीकारते हुए बिल बोल्टन एंव जॉन थॉम्पसन का कथन है कि ''रणनीतियाँ वे हैं जिन्हें उपक्रम करती है, वह वैसी राह है जिस पर वह चलती है तथा यह वह निर्णय है जिसके द्वारा वह सफलता के एक निश्चित स्तर पर पहुँचती है।''

Bill Bolton and John Thompson say, “What does the strategies mean in setting up of an enterprise” after accepting the importance of strategies that strategies are those which are performed by the enterprise. It is the same path on which they run it is that decision by which they reach up to the definite level of the success.

3. फण्ड प्रवाह क्या है?

   What is Fund flow?

   भारतीय चार्टर्ड़ एकाउण्टेन्ट्स (ICA) संस्थान ने इसे इस प्रकार परिभाषित किया है– '' वित्तीय स्थिति में हुए परिवर्तनों का विवरण एक निश्चित अवधि के वितीय स्थिति में हुए परिर्वतनो का सारांश होता है जिसमें यह शामिल होता है कि व्यवसायिक संस्था द्वारा किन स्त्रोतों के कोष प्राप्त किये तथा कोषों का प्रयोग किस प्रकार किया गया।''

   Indian chartered accountants institute defined it, “The statement of the changes took place in the financial position is the summary of the changes happened during a certain period where in it is include of which is sources and how these funds were used that the commercial institution has acquired the funds.”

4. सामाजिक उत्तरदायित्व क्या है?

   What is Social Responsibility?

   कुण्डज तथा डोनेल के अनुसार '' सामाजिक उत्तरदायित्व है कि वह विश्वस्त हो कि दूसरो के अधिकार तथा न्यायोचित हित न टकराये।

   The social responsibility is the personal responsibility of every person working in his own interest that he become sure that there may be no cash between rights and legal interest of others.

5. ''विपणन अवधारणा का व्यावहारिक या क्रियात्मक रूप ही विपणन प्रबंध है।'' यह कथन किसका है तथा इसका क्या आशय है?

   “Marketing management is the marketing concept in action.” Who said this, what does he meant?

   ये कथन विलियम जे0 स्टेण्टन का है। इसके अनुसार विपणन विचार के दो आधारभूत स्तम्भ है–
   (1) कम्पनी का नियोजन नीतियाँ और क्रियाकला ग्राहक संतुष्टि हो तथा (2) लाभप्रद विक्रय कम्पनी का लक्ष्य हो। इस प्रकार इन दो लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु उठाये जाने वाले व्यावहारिक कदम या किये जाने वाले क्रियाकलापो को ही शामिल किया जाता हैं।

   This statement is of William J. Stanton., according to him there are two basic pillars of marketing concept-

   1. The planning policies and activities of the company should be satisfaction of the customers and
   2. The profitable selling should be objective of the company. Thus, the practical steps or activities taken for achieving these two objectives are included in marketing management.

6. उद्यमी पूँजी के दो विशेषताएँ लिखें।

Write two characteristics of venture capital.

(1) यह अकेले व्यक्ति का व्यापार में निवेश काफी ज्यादा जोखिम से भरपूर होता है, तथा सफलता के अवसर अधिक होते है क्योंकि यह लम्बे समय तक शुरू करने की कीमत से लेकर उच्च जोखिम भरे उच्च लाभ परियोजना को उपलब्ध करवाता है।

(2) उद्यमी पूँजी फर्मो द्वारा निवेश उच्च तकनीकी क्षेत्रों में किया जाता है जिसमें तकनीकी का प्रयोग होता है या नई तकनीक प्रयोग करके नए उत्पादो का उत्पादन होता है।

1. The entry of a lone individual in business is replete with risk and various challenges having wider scope of sources because it begins with a long thought up to the planning of high profitability coupled with greater degree of risk and the venture capital provides an opportunity to overcome all the debentures on way to success.
2. Venture capital generally invested by the firms in the high technological areas and by use of innovative technique, new kinds of merchandise are produced.

7. गुणवता नियंत्रण क्या है?

What do you meant by Quality control?

किसी भी निर्माणी संस्था के उत्पादों की मांग इस उत्पाद में निहित किस्म के आधार पर होती है तथा ग्राहको द्वारा उस वस्तु को तभी स्वीकार किया जाता है जबकि उसके अनुसार वस्तु में सही मात्रा में किस्म विद्यमान हो। इसलिए किस्म के आशय उन विशेषताओं से है जिसके आधार पर एक उत्पाद से दूसरे उत्पाद की तुलना की जाती है। इसलिए निर्माण को चाहिए कि वस्तुओं के किस्म का निर्धारण करते समय उपभोक्ताओं की इच्छाओं का आवश्य ध्यान रखें।

For any manufacturing unit, the demand of its quality which is accepted by the consumers in the event of it being a quality product according to their expectations and aspiration. Therefore, hence the quality refers to those characteristics on the basis of which one product can be compared with its counter product. Therefore, it is quite imperative for any manufacturer to keep in mind the aspirations of the consumer"s while determining the quality of his product.

खण्ड़–III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहुत सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

8. उत्तम परियोजना नियोजन एवं निर्माण की उपेक्षाएँ को वर्णन कीजिए।

Describe essentials of good project planning or preparation.

(1)परियोजना का निर्माण वस्तुपरक एवं यथार्थपूर्ण मान्याताओं पर आधारित होना चाहिए।
(2)लाभप्रद विनियोग के अवसरो का पता लगाने के लिए व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन करना।
(3)परियोजना के निर्माण में परियोजना के समस्त पहलुओं एवं बिन्दुओं पर निष्पक्षतापूर्वक विचार किया जाना चाहिए।
(4)परियोजना का अनुमान सुचनाओं तथ्यो एवं वैज्ञानिक विश्लेषण पर आधारित होना चाहिए।
(5)साध्यता प्रतिवेदन तैयार करने के लिए वित्तीय, तकनीकी एवं आर्थिक पहलुओं पर गहन अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाना चाहिए।
(6)परियोजना निर्माण में तकनीकी विशं"ाज्ञो अर्थवेताओं उत्पादन विशेषज्ञों एवं औद्योगिक अभियन्ताओं का विशे"ा रूप से सहयोग होना चाहिए।

A good project is always implicit of some essentials in the absence of which a successful completion of if is not possible. The main essentials are:-

1. A project planning should be based on logical and realistic factors.
2. Various aspects in relation to the project must be meticulously analysised.
3. An objective contemplation should be done with regard to all aspects of the project.
4. The project estimate should be based on probable information's and their scientific analysis.
5. While planning for a project every technical, economical aspect should be carefully studies and analysed.
6. In the context of project planning consultation with technical expert economist product experts and industrial entrepreneur is also essentials.

9. परियोजना मूल्यांकन क्या है?

What is project Appraisal?

जब परियोजना निरूपण के द्वारा कोई विचार ठोस एवं लाभदायक प्रतीत होता है, तो फिर उसके मूल्यांकन की विभिन्न अवस्थाओं से होकर गुजरना पड़ता है। जिसके अन्तर्गत परियोजना के आर्थिक वित्तीय एवं तकनीकी दृष्टि से अनुकुल होने की जाँच परख की जाती है, और फिर उसमें पूँजी का विनियोग किया जाता है जिससे परियोजना में विनियोजित सभी संसाधनो का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाय और विनियोजन पूँजी पर उचित आय प्राप्त हो ऐसा तभी होगा जबकि उद्यमी द्वारा सुदृढ़ एवं लाभदायक परियोजना का चुनाव किया जाय। इस प्रकार परियोजना मूल्यांकन से आशय किसी परियोजना की आर्थिक एवं वित्तीय क्षमता,

प्रबंधकीय क्षमता एवं तकनीकी तथा वाणिज्यक साध्यता का निर्धारण, विश्लेषण एवं मूल्याकंन करने से है। जिससे एक उद्यमी द्वारा प्रस्तावित व्यावसायिक परियोजना की सम्भाव्य सफलता के सम्बन्ध में निर्णय लेना है, तथा परियोजना की वांछनीयता एवं लाभदायकता का मूल्यांकन करना हैं।

In similar terms, project appraisal is an analysis of cost and profit of any proposed project. Its objective is to select the best of the available alternatives so as the projected goals could be conveniently realised. There are limited financial sources with an entrepreneur where as there are several alternatives plans and projects on his mind, "high dreams with limited budget and he has to opt one of the best available alternatives. To facilitilate his so called "selection" he takes into consideration the basis of project appraisal. In the large context, "a detailed evaluation of the project to determine the technical feasibility, economic necessity, financial variability of the project and managerial competence required for its successful operation." It is a technique by which the decision by an entrepreneur is to be taken for strengthening his project for making it a great success to him dream project.

Or, it is a way to assess the desirability of the project profitability, competence by taking into consideration,, various techniques, financial, economical , communicational and management aspect.

10. कर्मचारी के प्रति उत्तरदायित्व की विवेचना किजिए।

Describe Responsibility towards employee.

कोई भी उद्योग– व्यापार उद्यमी अकेले नही चला सकता। वह इसका स्वामी हो सकता है, नेतृत्व दे सकता है, प्रबधक हो सकता है, किन्तु इसके संचालन की जिम्मेदारी इसके कर्मचारियों के उपर ही होती हैं संतुष्ट कर्मचारीयो ही वे बहादुर सैनिक होते है। जिनके चलते व्यावसायिक सफलता की जंग/लड़ाई जीती जा सकती है। अतः सफलता की कुँजी जिन कर्मचारियों के हाथ में हो और साहसी इनकें प्रति अपने दायित्वों का ध्यान नहीं रखते तो इसके भविष्य की कल्पना आसानी से की जा सकती है। इस दायित्व के निर्वाह में उद्यमी को देखना चाहिए कि कर्मचारी अपने मालिक से संतुष्ट रहें।

(1) कर्मचारी अपने मालिक से सुतुष्ट रहें।
(2) कर्मचारी को उचित वेतन परिश्रामिक मिलना चाहिए।
(3) कार्य के घण्टे एवं कार्य की दशाएं ठीक हो।
(4) समय समय पर प्रोत्साहन भत्ता मिलना चाहिए।
(5) उन्हें उचित अवकाश मिलना चाहिए।
(6) नौकरी में स्थायित्व एवं पदोन्नती का अवसर मिलना चाहिए।

No business/industry can be run solely by an entrepreneur., though he can be commander, a director, a leader or a manager, yet the responsibility of business operation always rests with the company's employee. Only the employees who are satisfied the brave and gallant soldiers with the help of whom, the battle for the success of business can be fought and won. As such the key of success lies in their hands and the entrepreneur if turn indifferent or careless towards them, what would be the result

in future can be well anticipated. In this context, it is important for an entrepreneur to be considerate in following manner with regards to his responsibility towards employees:-

1. Employee's satisfaction with the employer.
2. Employees must be sufficient and adequately remunerated.
3. Working hours and working conditions must be appropriate.
4. From time to time, there should be a provision of encourageing allowance.
5. Adequate facilities for leave.
6. Stability or job security, promotional opportunity should be there.

11. स्थिर एवं परिर्वतनशील लागतो मे अंतर स्पष्ट करें।

Differentiate between fixed cost and variable cost.

(1) स्थिर लागतः– कारखाने का वह खर्च जो उत्पादन हो या नहीं, हो लगेगा ही, उसे स्थायी कारखाना लागत कहा जाता है। जैसे– फैक्ट्री का किराया, बिजली रख–रखाव खर्च आदि।

परिर्वतनशील लागत :– वह खर्च जो उत्पादन बढ़ने से बढ़े और घटने से घटे परिर्वतनशील कारखाना लागत कहलाती है। जैसे – ह्रास, ईधन, शक्ति, आदि।

स्थिर साधन	परिर्वतनशील साधन
(1) उत्पादन के स्थिर साधनो पर किये जाने वाले खर्चो को स्थिर लागत कहा जाता है। (2) उत्पादन की मात्रा से कोई सम्बन्ध नही होता। (3) ये कभी भी (उत्पादन न होने पर भी) शुन्य नही होती। (4) फर्म स्थिर लागतों की हानि उठाकर भी उत्पादन जारी रख सकती है। स्थिर लागतों के उदाहरणः– (i) कारखाना के भवन का किराया (ii) प्रबन्धक का वेतन	(1) उत्पादन के परिर्वतनशील साधनो पर किये जाने वाले खर्चो को परिर्वतनशील लागते कहते है। (2) परिर्वतनशील लागते उत्पादन की मात्रा के घटने बढ़ने के साथ साथ घटती बढ़ती है (3) ये उत्पादन बन्द कर देने पर शून्य हो जाती है। (4) एक फर्म तब तक उत्पादन जारी रखती है, जब तक की उसे परिर्वतनशील लागतों के बराबर किमतें अवश्य मिले। परिवर्त्तनशील लागतों के उदाहरणः– (i) कच्ची सामग्री की लागत (ii) प्रत्यक्ष श्रम व्यय

1. Fixed cost :- The expending to be encurred in case of production or no production, can be called as fixed cost.
2. Variable cost :- Variable cost is that expenditure which increase or decresses according to the production is known as variable cost.

Fixed Cost	Variable Cost
1. Expenses incurred an fixed sources of production are called fixed cost	Expenses incurred on variable sources of production are called variable cost.
2. It has no relation with volume of production.	It varies according to changes in production.
3. Fixed cost can not be zero even	It becomes zero after closing

of the time of no production	production.
4. A firm can continue production after bearing the loss of fixed cost i. Rent of factory building. ii. Salary of managers.	A firm continues its production till it receives revenue equal to variable cost. Example of variable cost:- i. Cost of raw material. ii. Direct labour expenses.